केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 93 रविवार 25 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कबाड़ गोदाम में आग से लाखों का नुकसान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के रमवापुर माफी में शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे एक कबाड़ गोदाम में आग लग गई। करीब 40 टन प्लास्टिक और अन्य कबाड़ जलकर राख हुआ। व्यापारी को आर्थिक नुकसान हुआ, जनहानि नहीं हुई। यह गोदाम बनगवा निवासी व्यापारी जगदीश चौधरी का है। शुक्रवार रात गोदाम से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए।

गोदाम में प्लास्टिक और कबाड़ ज्यादा होने से आग तेजी से फैली। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। समय पर आग बुझाने से आसपास के मकान सुरक्षित बचे। राजस्व विभाग के लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया। रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी गई है। आग लगने की वजह साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वोट चोरी को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। कथित वोट चोरी के विरोध में शनिवार को विक्रमजोत ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे कांग्रेसियों के बीच उस समय अजीब स्थिति बन गई, जब एक पुलिसकर्मी कांग्रेस नेता के हाथ से मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला छीनकर भाग निकला। कांग्रेसियों ने पुतला जलाने का दावा किया, जबकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी पुतला लेकर भागता नजर आ रहा है। इस घटनाक्रम को लेकर मौके पर मौजूद कार्यकर्ता भौंचक रह गए। हालांकि, 'भारतीय बस्ती' वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, लाबोनी सिंह और कर्नल अभय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खेसुआ नहर से पैदल मार्च निकाला।

नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता विक्रमजोत ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया। कर्नल अभय सिंह ने आरोप लगाया कि आम आदमी के वोट की चोरी कर उसे मतदान के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाए जाने तक कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इसी बीच प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी कांग्रेसी नेता के हाथ से लपककर पुतला छीनकर वहां से भाग गया। कार्यकर्ता जब तक कुछ समझ पाते, पुलिसकर्मी उनकी पहुंच से दूर जा चुका था। हालांकि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दूसरा पुतला जलाने का दावा किया। प्रदर्शन में संदीप श्रीवास्तव, डॉ. आलोक रंजन, नर्वदेश्वर शुक्ला, अनंत द्विवेदी, कल्लू, राजबहादुर सैनी, राहुल सैनी, श्रवण पांडेय, कन्हैया लाल यादव और राजेश मणि त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोरखपुर में बनेगा वानिकी, औद्यानिकी विश्वविद्यालय

संवाददाता, गोरखपुर। वानिकी और औद्यानिकी शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में प्रदेश का पहला वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय जल्द आकार लेने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल इस विश्वविद्यालय का निर्माण कैंपियरगंज के भारीबैसी में किया जाएगा। प्रशासन और वन विभाग मुख्यमंत्री

से शिलान्यास कराने की तैयारियों में जुटे हैं। 50 हेक्टेयर (123.55 एकड़) क्षेत्रफल में विकसित होने वाले इस विश्वविद्यालय के निर्माण पर 491 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है।

निर्माण कार्य दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ गोरखपुर के शैक्षणिक परिदृश्य को नया विस्तार मिलेगा। यह चार राज्य विश्वविद्यालयों सहित कुल पांच विश्वविद्यालयों वाले चुनिंदा जिलों में शामिल हो जाएगा।

गोरखपुर में प्रदेश की पहली फारेस्ट्री यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छह सितंबर 2024 को कैंपियरगंज क्षेत्र में जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के लोकार्पण के अवसर पर की थी। इसके बाद स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाएं तैयारियों को आगे बढ़ाया गया। प्रदेश कैबिनेट ने सात अप्रैल 2026 को अध्यादेश के प्रारूप को स्वीकृति दी। इसके बाद 22 अप्रैल 2026 को स्वीकृति का शासनादेश जारी किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी शुभम सिंह के अनुसार, विश्वविद्यालय में वानिकी एवं औद्यानिकी, वन्यजीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफारेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया के लिये दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जनपद की समस्त विधानसभा क्षेत्रों में सेक्टरवार तैनात सेक्टर ऑफिसर एवं सेक्टर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्वाचन संबंधी दायित्वों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को उनके दायित्वों, क्षेत्रीय भ्रमण, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं तथा निर्वाचन के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के बीच समन्वय बनाए रखने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों का भ्रमण कर मतदान केंद्रों की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लें तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए समय से उसका निराकरण सुनिश्चित कराएं।

डांडिया, देवी गीतों पर उमड़ी आस्थाः छा गये कलाकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। दुर्गा पूजा समारोह की ऋंखला में नृत्य धाम के संस्थापक मास्टर शिव के संयोजन में जिला अस्पताल के निकट स्थित जे.पी. लान के परिसर में शक्ति रास उत्सव महारास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धुन्धी, कुला, गरबा, मोरपंखी, डांडिया की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया।

विभिन्न प्रस्तुतियों में अभिषेक श्रीवास्तव, शालिनी, सूरज, आदित्य, राहुल, शिवा, स्वाती, बबिता, पिंकी, ज्योति, सुधा, रजनी, राजवीर, अरविन्द, शिवांश, शालू, मनीषा, परी, लूसी, सोनाली, सोना, माला, रोशनी आदि की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इसी कड़ी में भजन गायक अविनाश श्रीवास्तव और साथियों ने देवी गीतों की प्रस्तुतियों से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। माण्डवी फाउन्डेशन की डायरेक्टर डा. सुनीता सिंह, डा. डी.के. गुप्ता ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में आशीष गुप्ता, अभिषेक श्रीवास्तव, रवि तिलकधारी, इन्द्रेश, धनुषधारी के साथ ही नृत्य धाम के अनेक पदाधिकारियों ने योगदान दिया।

बाहुबली विधायक अनन्त सिंह जद यू से निष्कासित

पटना (आभा)। बिहार विधान परिषद चुनाव में जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ प्रचार और बयानबाजी करना मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को महंगा पड़ गया है।

जनता दल यूनाइटेड ने अनंत सिंह और उनकी पत्नी नीलम देवी को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। साथ ही अनंत सिंह की विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की अनुशंसा भी विधानसभा अध्यक्ष से की गई है।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने शनिवार को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, पार्टी के निर्देशों की अवहेलना करने, शीर्ष नेतृत्व के प्रति अमर्यादित एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने और विधान परिषद चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के विरुद्ध काम करने के कारण अनंत सिंह पर कार्रवाई की गई है।

बिछड़े मिले, खोया पाया शिविर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । कम्पनीबाग के निकट 'बिछड़े मिले, खोया पाया' शिविर का उद्घाटन सीओ सदर मानसी दहिया और डा. वी.के. वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस शिविर का आयोजन समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में किया गया है। मानसी दहिया ने इसे एक अच्छी पहल बताया। कहा कि कि दुर्गा पूजा मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'खोया पाया' शिविर से मेले में बिछड़े लोग अपने परिजनों और बच्चों को आसानी से ढूंढ सकेंगे।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वी.के. वर्मा ने बस्ती में पूर्णिमा के दिन देवी प्रतिमाओं के विसर्जन की पुरानी परंपरा का उल्लेख किया और पर्वो को खुशी से मनाने की बात कही। उन्होंने जय प्रकाश गोस्वामी के शिविर संचालन को एक अच्छी पहल बताया, जिससे बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाना आसान हो जाता है।

भाजपा अमरेन्द्र कुमार शिब्बू ने 'खोया पाया' शिविर की निरंतर आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा पिछले 35 वर्षों से इसका अनवरत संचालन एक उपलब्धि है और बिछड़ों को मिलाना एक पुनीत कार्य है।

शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, शिविर का संचालन जारी रहेगा। उन्होंने किसी के खोए हुए बच्चे को उसके परिवार से मिलाने पर मिलने वाली खुशी का भी जिक्र किया।

उद्घाटन अवसर पर कुलदीप सिंह, दीपक प्रजापति, राजीव शरण, प्रदीप कुमार सिंह, सीए अजीत चौधरी, डा. राजेश पटेल, अतुल पाण्डेय, स्वतंत्र पाण्डेय, गुड्डू पाण्डेय, विजय प्रकाश गोस्वामी, दीनदयाल तिवारी, राहुल त्रिपाठी, गौरव गोस्वामी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची मुस्कान

मेरठ (आभा)। चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड मामले में फांसी की सजा पा चुके मुस्कान और साहिल हाईकोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने मेरठ कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। दोनों ने फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सौरभ हत्याकांड मामले में कोर्ट ने दोनों को 14 अक्टूबर को फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद से ही दोनों ने फांसी के फैसले

को हाईकोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया था। दोनों चाहते हैं कि निचली हदालत द्वारा सुनाए गए फांसी के फैसले को हाईकोर्ट रद्द कर दे।

बताते हैं कि शुक्रवार को मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला ने हाईकोर्ट में पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता को नियुक्त किया था। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि जेल में बंद साहिल और मुस्कान की ओर से हाईकोर्ट में पैरवी के लिए वकील नियुक्त करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

पात्र मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत शनिवार को आयोजित विशेष कैंप में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने विधानसभा क्षेत्र हर्रैया बूथ संख्या–406, 407 संविलियन प्राथमिक विद्यालय थान्हा खास कक्ष संख्या 1 व 2, बूथ संख्या–390 प्राथमिक विद्यालय हर्रैया प्रथम कक्ष संख्या 1, विधानसभा क्षेत्र कप्तानगंज बूथ संख्या–297, 298 कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय कक्ष संख्या 1 व 2 स्थित मतदेय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मतदेय स्थल पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की उपस्थिति, आवेदन प्रक्रिया तथा पात्र मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। बीएलओ निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर मतदाताओं को आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दें तथा प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसलिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

निःशुल्क बोरिंग योजना में वित्तीय अनियमितता का आरोपः कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष रितिक कुमार ने मुख्यमंत्री निःशुल्क उथले नलकूप बोरिंग योजना में कथित वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा । उन्होंने लघु सिंचाई विभाग में तैनात सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई ई. गरिमा द्विवेदी, बोरिंग टेक्नीशियन घनश्याम शुक्ला और बोरिंग टेक्नीशियन सुभाष पाण्डेय के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। चेतावनी दिया कि मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

–जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, जांच न होने पर आन्दोलन की चेतावनी

जिलाध्यक्ष रितिक कुमार ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि जनपद में मुख्यमंत्री निःशुल्क उथले नलकूप बोरिंग योजना के तहत कई वर्षों से वित्तीय अनियमितताएं की जा रही हैं। शिकायत के अनुसार, बोरिंग टेक्नीशियन घनश्याम शुक्ला और बोरिंग टेक्नीशियन सुभाष पाण्डेय पर योजना के कार्यों में अनियमितता बरतने और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग में संलिप्त होने के आरोप हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि किसानों के नाम पर सामान्य वर्ग के लिए 15,600 रुपये और अनुसूचित वर्ग के लिए 19,600 रुपये की धनराशि आवंटित किए जाने के बावजूद कुछ मामलों में वास्तविक बोरिंग कार्य कराए बिना भुगतान किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि किसानों के खातों में धनराशि भेजने के बजाय कथित तौर पर कुछ फर्मों के खातों में भुगतान कराकर सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है।

ज्ञापन में बोरिंग टेक्नीशियन घनश्याम शुक्ला की जनपद में दस वर्षों से अधिक समय से तैनाती का उल्लेख करते हुए उनके कार्यकाल की जांच कराने की मांग की गई है। वहीं, बोरिंग टेक्नीशियन सुभाष पाण्डेय के कार्यों की भी उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि योजना के तहत कराए गए कार्यों, लाभार्थियों को मिले सामान और भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच होने पर कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

रितिक कुमार ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि पूरे मामले की पारदर्शी तरीके से जांच कराने के लिए उच्चस्तरीय टीम गठित की जाए । जांच में शिकायतकर्ता को भी शामिल किया जाए, ताकि आरोपों की निष्पक्षता से पड़ताल हो सके। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों के कार्यकाल के दौरान हुए भुगतान, बोरिंग कार्यों और सरकारी धन के इस्तेमाल का लेखा–जोखा जांचने की मांग की है।

20 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापनः जनगणना ड्यूटी में आ रही परेशानियों को दूर करे प्रशासन- उदयशंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों, पदाधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को 20 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। ज्ञापन में जनगणना ड्यूटी में आ रही परेशानियों को दूर करने, शिक्षकों की पदोन्नति जल्द कराने, बकाया वेतन का भुगतान करने और कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें उठाई गई।

ज्ञापन सौंपने के बाद समय संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। वे बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम करते हैं। ऐसे में शिक्षकों की समस्याओं का समय पर समाधान होना चाहिए, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपने शिक्षण कार्य को पूरा कर सकें।

शिक्षकों ने जनगणना ड्यूटी में आवंटन से जुड़ी समस्याओं और व्यावहारिक परेशानियों को भी जिलाधिकारी के सामने रखा। जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि कई शिक्षकों को पहले निर्धारित एच, एल.बी. से जुड़ी विसंगतियों को दूर किया जाए। शिक्षकों की बात सुनने के बाद अपर जिलाधिकारी ने जनगणना ड्यूटी से जुड़ी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

ज्ञापन में वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति पूरी करने, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों के वेतन का भुगतान करने, जीआईएस/जीआईएसएस से जुड़े लंबित भुगतानों का निस्तारण करने, आकस्मिक अवकाश और वेतन कटौती की समस्याएं दूर करने तथा निलंबित शिक्षकों के मामलों का जल्द निस्तारण करने की मांग की गई।

परेशानी हो रही है।

संघ ने मांग किया कि शिक्षकों की ड्यूटी तय मानकों के अनुसार लगाई जाए और पहले से आवंटित एच, एल.बी. से अलग दूसरे ब्लॉकों में ड्यूटी दी गई है। इससे उन्हें आने–जाने और काम करने में

संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह और सदर अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल, अम्बिका पाण्डेय, दिवाकर सिंह, रीता शुक्ला, प्रमोद तिवारी, आशुतोष पाण्डेय, पटेश्वरी निषाद, योगेश्वर शुक्ल, हरीश चौधरी, प्रणव मिश्रा, स्कंद मिश्रा, सुशील उपाध्याय, अवनीश तिवारी, ओम प्रकाश पाण्डेय, शिवांक मिश्रा, अविनाश मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय, शिवाकांत पाण्डेय, शिवम् शुक्ला और ओंकार उपाध्याय सहित अनेक शिक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

देव फाउण्डेशन के स्थापना दिवस पर सम्मानित हुई विभूतियां, योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समाज के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देव फाउण्डेशन द्वारा 8 वें स्थापना दिवस पर ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में संस्थापक रामजी पाण्डेय के संयोजन में विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में सामाजिक सरोकारों को लेकर विमर्श में वक्ताओं ने समाजसेवा के विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि छोटी छावनी के महन्थ कमल नयन दास जी महाराज ने कहा कि समाजसेवा मनुष्य का स्वभाव है। लोककल्याण के उद्देश्य से देव फाउण्डेशन के योगदान की सराहना करते हुये महन्थ कमल नयन ने कहा कि समाजसेवा के भाव को निरन्तर विकसित करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा, पत्रकारिता, प्रशासन, राष्ट्रसेवा और सामाजिक कार्यों से जुड़े प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया गया।

राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी, कर्नल के.सी. मिश्रा, सेवानिवृत्त सेल टैक्स कमिश्नर कमलापति त्रिपाठी को 'बस्ती भूषण' सम्मान प्रदान किया गया।

चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए डा. डी.के. गुप्ता, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं राजन डिग्री कॉलेज के निदेशक राकेश चतुर्वेदी, समाजसेवी राजन गुप्ता, डा. ओमप्रकाश आर्या प्राचार्य डा. वीरेंद्र श्रीवास्तव को 'बस्ती गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया।

देव फाउण्डेशन के संस्थापक राम जी पाण्डेय ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि समाज के लिए समर्पित लोगों को सम्मानित करने से दूसरों को भी जनसेवा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरणा मिलती है। संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोजन में निर्णायक मण्डल के सदस्यों डा. वीरेंद्र त्रिपाठी, डा. डी.के. गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, संजय द्विवेदी, पंकज गोस्वामी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 अक्टूबर 2026, रविवार

सम्पादकीय

सड़क हादसे और तंत्र

सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति सुरक्षित अपने घर पहुंचना चाहता है। वह चाहे बाइक से दफ्तर जा रहा हो, बच्चों को स्कूल छोड़ रहा हो या परिवार के साथ कार से सफर कर रहा हो। लेकिन सड़क पर सुरक्षा की यह सामान्य अपेक्षा कई बार एक दर्दनाक हादसे में बदल जाती है। किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य लौटकर नहीं आता, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी बच्चे के सिर से पिता का साया उठ जाता है। ऐसे हादसों के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच के निर्देश दिए जाते हैं और यातायात नियमों के पालन की अपील की जाती है। फिर जिंदगी अपनी रफ्तार पकड़ लेती है, लेकिन दुर्घटना के कारणों को दूर करने का सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है। सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन अनिवार्य है। तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, नशे में ड्राइविंग, हेलमेट न पहनना और सीट बेल्ट की अनदेखी गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। ऐसे मामलों में चालान और कानूनी कार्रवाई जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को यह विश्वास हो जाए कि वे बिना किसी दंड के बच निकलेंगे, तो यातायात व्यवस्था को अनुशासित रखना कठिन होगा। लेकिन सड़क सुरक्षा को केवल चालान काटने और जुर्माना वसूलने तक सीमित कर देना भी उचित नहीं है। दुर्घटना रोकने के लिए यह देखना उतना ही जरूरी है कि सड़क की बनावट, संकेतक, रोशनी और यातायात प्रबंधन सुरक्षित हैं या नहीं।

देश में सड़क हादसों का आंकड़ा इस चुनौती की गंभीरता बताता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर आधारित 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, उस वर्ष देश में लगभग 1.99 लाख यातायात संबंधी मौतें दर्ज की गईं। इनमें करीब 1.75 लाख मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुई थीं। उत्तर प्रदेश में भी सड़क सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी हुई है। इन आंकड़ों को केवल संख्याओं के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। इनके पीछे हजारों परिवारों का दुख, उपचार का खर्च, आजीविका का संकट और लंबे समय तक चलने वाला सामाजिक प्रभाव छिपा है।

सड़क दुर्घटना के लिए चालक की गलती को कई बार सबसे आसान कारण मान लिया जाता है। निश्चित रूप से लापरवाही से वाहन चलाने वाले व्यक्ति की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, लेकिन हर दुर्घटना की परिस्थितियां एक जैसी नहीं होतीं। कहीं सड़क पर अचानक गड्ढा सामने आ जाता है, कहीं मोड़ पर पर्याप्त संकेतक नहीं होते, कहीं अंधेरे में सड़क का किनारा दिखाई नहीं देता और कहीं चौराहे पर यातायात का उचित प्रबंधन नहीं होता। ऐसे स्थानों पर दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही हो, तो केवल वाहन चालकों को चेतावनी देकर जिम्मेदारी पूरी नहीं की जा सकती।

सड़क बनाने का उद्देश्य केवल एक स्थान को दूसरे स्थान से जोड़ना नहीं है। सड़क ऐसी होनी चाहिए, जिस पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया हो। सड़क निर्माण की गुणवत्ता, उचित ढलान, मोड़ों की बनावट, जल निकासी, फुटपाथ, डिवाइडर, संकेतक और रात में पर्याप्त रोशनी जैसे पहलू सीधे सुरक्षा से जुड़े हैं। सड़क बनने के बाद उसकी नियमित जांच और मरम्मत भी उतनी ही आवश्यक है। निर्माण के समय थोड़ी–सी लापरवाही या रखरखाव में लंबे समय तक की गई अनदेखी किसी दिन गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।

डिजिटल व्यवस्था पर भरोसे का प्रश्न

आज के दौर में सरकारी कामकाज को डिजिटल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। जन्म प्रमाणपत्र से लेकर जमीन के रिकॉर्ड, बैंकिंग सेवाओं से लेकर मतदाता सूची तक, तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसका उद्देश्य साफ हैकृकाम में तेजी आए, पारदर्शिता बढ़े और लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ें। लेकिन जब इसी डिजिटल व्यवस्था में गलती होती है, तो आम नागरिक के सामने एक नई परेशानी खड़ी हो जाती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस व्यवस्था पर भरोसा करके लोग अपने जरूरी काम छोड़ रहे हैं, उसकी गलतियों की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत है। इसमें नाम होना केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि मतदान के अधिकार से जुड़ा विषय है। यदि किसी व्यक्ति का नाम गलत दर्ज हो जाए, नाम की वर्तनी बदल जाए या रिकॉर्ड में ऐसी त्रुटि हो जाए जिससे उसकी पहचान पर संदेह पैदा हो, तो उसे परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मतदाता सूची तैयार करने में तकनीक की मदद ली जा सकती है, लेकिन अंतिम उद्देश्य यह होना चाहिए कि प्रत्येक पात्र नागरिक का रिकॉर्ड सही रहे और उसे अपने अधिकार का इस्तेमाल करने में अनावश्यक कठिनाई न हो।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसकी गति और व्यापक पहुंच है। पहले जिस काम में कई दिन लगते थे, वह अब ऑनलाइन माध्यम से कम समय में पूरा हो सकता है। रिकॉर्ड सुरक्षित रखने, जानकारी खोजने और अलग–अलग विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी तकनीक उपयोगी है। लेकिन यह मान लेना कि कंप्यूटर पर दर्ज जानकारी हमेशा सही होगी, एक बड़ी भूल है। किसी भी प्रणाली में गलत जानकारी दर्ज होने, सॉफ्टवेयर की खामी, भाषा संबंधी त्रुटि या मानवीय लापरवाही की संभावना बनी रहती है। तकनीक काम को तेज कर सकती है, लेकिन सही निर्णय और जवाबदेही की जरूरत समाप्त नहीं कर सकती।

भारत जैसे विविध भाषाओं वाले देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकारी रिकॉर्ड में नाम, पता और दूसरी जानकारियां अलग–अलग भाषाओं में दर्ज होती हैं। किसी नाम का गलत अनुवाद या लिप्यंतरण व्यक्ति की पहचान को लेकर भ्रम पैदा कर सकता है। स्थानीय भाषा और नामों की विशेषताओं को समझे बिना केवल स्वचालित प्रक्रिया पर निर्भर रहना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए डिजिटल प्रणाली तैयार करते समय भाषाई विविधता, स्थानीय परिस्थितियों और मानवीय सत्यापन का ध्यान रखना आवश्यक है।

यह समस्या केवल मतदाता सूची तक सीमित नहीं है। जमीन के रिकॉर्ड में गलती हो तो संपत्ति से जुड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। पेंशन के रिकॉर्ड में त्रुटि हो तो किसी बुजुर्ग को अपनी पात्रता साबित करने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। छात्रवृत्ति के आवेदन में गलत जानकारी दर्ज हो जाए तो विद्यार्थी आर्थिक सहायता से वंचित हो सकता है। बैंक खाते या पहचान संबंधी रिकॉर्ड में गड़बड़ी होने पर भी नागरिक को समय और संसाधन खर्च करने पड़ सकते हैं। इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट है कि डिजिटल रिकॉर्ड में छोटी दिखाई देने वाली गलती भी किसी व्यक्ति के जीवन पर बड़ा असर डाल सकती है।

ऐसी स्थिति में सबसे जरूरी है कि गलती सुधारने की प्रक्रिया आसान हो। नागरिक को यह पता होना चाहिए कि शिकायत कहां करनी है, किन दस्तावेजों की जरूरत होगी और समाधान के लिए कितना समय निर्धारित है।

22 प्रतिज्ञाओं पर विवाद, राजकुमार भाटी की मुश्किलें बढ़ीं

–स्वदेश कुमार–

ग्रेटर नोएडा के दादरी थाने में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया उबाल आ गया है। उनके खिलाफ यह कानूनी कार्रवाई भड़काऊ भाषण देने और अवैध रूप से बाहरी फंडिंग हासिल करने के आरोपों के तहत की गई है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब दिल्ली के रानी झांसी रोड स्थित अंबेडकर भवन में भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित श्धम्म दीक्षाश कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गया। इस वीडियो में समाजवादी पार्टी के प्रमुख चेहरा और प्रवक्ता राजकुमार भाटी को मंच पर हाथ उठाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा 1956 में दी गई ऐतिहासिक 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराते हुए देखा गया। इन प्रतिज्ञाओं में पारंपरिक हिंदू रीति–रिवाजों को न मानने, ब्रह्मा–विष्णु–महेश और राम–कृष्ण को भगवान स्वीकार न करने तथा उनकी पूजा न करने की कठोर शपथ शामिल थी। वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दलों ने समाजवादी पार्टी को शहिंदू विरोधीश मानसिकता वाली पार्टी करार देते हुए चौतरफा हमला बोल दिया, जिसने अंततः इस मामले को पुलिस थाने की चौखट तक पहुंचा दिया।

भाटी के इस यू–टर्न पर बहुजन और बौद्ध संगठनों ने भी आपत्ति जताई है और इसे बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिज्ञाओं का अपमान बताया है। आलोचकों का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से 22 प्रतिज्ञाएं लेता है, तो वह बौद्ध धम्म में दीक्षित माना जाता है, लेकिन पार्टी की डांट और राजनीतिक भविष्य के डर से भाटी अब अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। दादरी पुलिस ने इस मामले में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गहन जांच शुरू कर दी है, जिसमें भाषण की मूल रिकॉर्डिंग और उनके संगठन को मिलने वाली आर्थिक मदद के स्रोतों की कड़ियों को खंगाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश के जातिगत और धार्मिक समीकरणों को देखते हुए यह विवाद समाजवादी पार्टी के श्पीडीएश (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

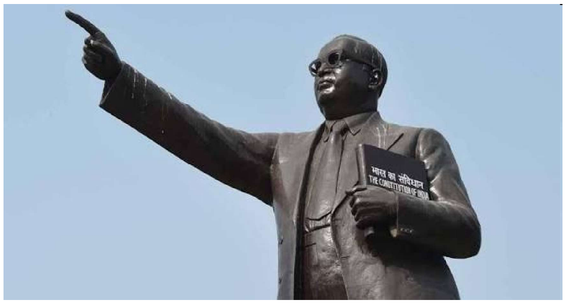

वैसे, भारतीय राजनीति के इतिहास में यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी नेता के धर्म बदलने या किसी दूसरे धर्म की ओर झुकाव रखने पर इतना बड़ा बवंडर खड़ा हुआ हो। राजनीति में रहते हुए धर्म परिवर्तन करने की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक मिसाल खुद संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने पेश की थी। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने अपने लाखों समर्थकों के साथ हिंदू धर्म का त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया था। उन्होंने महसूस किया था कि हिंदू समाज में व्याप्त छुआछूत और जातिवाद के दलदल से दलित समाज को मुक्ति दिलाने का यही एकमात्र रास्ता है। इसी ऐतिहासिक मौके पर उन्होंने वे 22 प्रतिज्ञाएँ तैयार की थीं, जिन्हें आज भी नव–बौद्ध अपनाते हैं और जिसे लेकर आज राजकुमार भाटी विवादों में घिरे हैं। बाबा साहब उस समय देश के सबसे बड़े दलित नेता थे और उनके इस कदम ने भारत की सामाजिक और चुनावी राजनीति को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया था। आधुनिक भारतीय राजनीति की बात करें तो दिल्ली सरकार में आम आदमी पार्टी के कद्दावर मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम का मामला भी राजकुमार भाटी प्रकरण से हूबहू मेल खाता है। अक्टूबर 2022 में दिल्ली के करोल बाग में आयोजित एक सामूहिक धम्म दीक्षा कार्यक्रम में राजेंद्र पाल गौतम शामिल हुए थे। उस कार्यक्रम में भी हजारों लोगों के साथ हिंदू देवी–देवताओं की पूजा न करने की यही 22 प्रतिज्ञाएँ दोहराई गई थीं। जैसे ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, भारतीय जनता पार्टी ने इसे सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल की पार्टी से जोड़कर चुनावी मुद्दा बना दिया। गुजरात चुनाव पास होने के कारण आम आदमी पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान का डर सताने लगा। भारी दबाव के बीच राजेंद्र पाल गौतम को न केवल अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि बाद में उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। यह घटना दर्शाती है कि लोकतांत्रिक राजनीति में जब कोई नेता अपने धार्मिक विश्वासों को सार्वजनिक मंच पर लाता है, तो उसकी कीमत उसके पूरे राजनीतिक करियर को चुकानी पड़ सकती है।

इसी तरह दक्षिण भारत की राजनीति में द्रविड़ आंदोलन के अग्रदूत और करिश्माई नेता मुथुवेल करुणानिधि और ई.वी. रामासामी श्पेरियारश की विरासत ने हमेशा धर्म और राजनीति के अंतर्संबंधों को चुनौती दी। हालांकि उन्होंने औपचारिक रूप से किसी संगठित धर्म को अपनाने के बजाय नास्तिकता का मार्ग चुना, लेकिन उनके परिवार और पार्टी के कई नेताओं ने समय–समय पर ईसाई या अन्य धर्मों के प्रति अपनी आस्था खुलकर व्यक्त की। आंध्र प्रदेश की राजनीति में वाई.एस. राजशेखर रेड्डी और उनके पुत्र वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी का परिवार भी राजनीति और धर्म के एक अलग समीकरण को पेश करता है। जगन मोहन रेड्डी का परिवार मूल रूप से हिंदू पृष्ठभूमि से आने के बावजूद ईसाई धर्म का अनुयायी है। जब वे सत्ता में आए, तो विपक्ष ने उन पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम जैसे पवित्र हिंदू स्थलों के प्रबंधन में ईसाई एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राजनीति में रहते हुए अपनी धार्मिक पहचान को बदलना या एक विशिष्ट धार्मिक पहचान को बनाए रखना हमेशा से ही चुनावी नफे–नुकसान का जरिया बनता रहा है।

पूर्वोत्तर भारत के राज्यों, विशेषकर नागालैंड, मिजोरम और मेघालय में भी कई ऐसे जनजातीय नेता हुए हैं, जिन्होंने अपनी पारंपरिक लोक मान्यताओं या हिंदू–बौद्ध धर्म को छोड़कर ईसाई धर्म अपनाया, ताकि वे स्थानीय बहुसंख्यक ईसाई आबादी के साथ खुद को जोड़ सकें। वहां की क्षेत्रीय राजनीति में धर्म का यह बदलाव नेताओं को सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में बेहद मददगार साबित हुआ। इसके विपरीत, उत्तर भारत की राजनीति पूरी तरह से सनातनी और रूढ़िवादी धागों से बुनी हुई है, जहां किसी भी स्थापित नेता द्वारा हिंदू देवी–देवताओं के खिलाफ एक शब्द भी बोलना या ऐसी किसी प्रतिज्ञा का हिस्सा बनना आत्मघाती कदम माना जाता है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष चुनाव जरूरी

–संजीव ठाकुरे–

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। करोडों मतदाताओं द्वारा यहां चुनाव से अपने विधायक,सांसद, मंत्री मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री तक का चुनाव किया जाता है। लाजमी है कि यहां विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह अपेक्षा की जाती है की सभी स्तर के चुनाव निष्पक्ष शांतिपूर्ण तथा वैधानिक तरीके से संपन्न किए जाएं जिससे जनता को सही तथा समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके। चुनाव केवल प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विविधताओं से भरे समाज की आकांक्षाओं, असहमतियों और अधिकारों की अभिव्यक्ति भी हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को सौंपता है। वहीं, अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को आधार प्रदान करता है। इन संवैधानिक व्यवस्थाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत समान महत्व रखे और सत्ता का निर्धारण जनता की स्वतंत्र इच्छा से हो। हालांकि, संवैधानिक प्रावधानों की वास्तविक सफलता उनके निष्पक्ष क्रियान्वयन से ही सिद्ध होती है।

ष्लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन हैष लिंकन का यह प्रसिद्ध कथन लोकतंत्र के सार को पूरी तरह स्पष्ट करता है। लेकिन लोकतंत्र की इस महान इमारत की नींव किस पर टिकी है? इसका उत्तर है। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और सामूहिक इच्छाशक्ति का सबसे बड़ा उत्सव हैं। जब चुनाव निष्पक्ष होते हैं, तो हर नागरिक की आवाज गूंजती है, और जब इनमें धांधली होती है, तो लोकतंत्र अपनी आत्मा खो देता है। हम निष्पक्ष चुनाव के विविध नजरियों, इसके दार्शनिक पहलुओं, महापुरुषों के विचारों और विदेशी राजनेताओं के नजरिया और दृष्टिकोण की बात करें तो यह मुद्दा काफी विस्तार से चर्चा करने लायक है।निष्पक्ष चुनाव का अर्थ केवल इतना नहीं है कि मतदान के दिन कोई हिंसा न हो। इसके दायरे में बहुत सी बातें आती हैंरू

समान अवसर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को प्रचार करने, मीडिया तक पहुँचने और अपनी बात जनता तक पहुँचाने के समान अवसर मिलने चाहिए। मतदाता सूची से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। चुनाव कराने वाली संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त होनी चाहिए।संविधान निर्माताओं ने भी इस बात को समझा था। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा थारू

ष्संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले लोग बुरे साबित हुए, तो संविधान भी बुरा साबित होगा।ष यह बात चुनावों पर भी पूरी तरह लागू होती है। चुनाव प्रक्रिया कितनी भी कानूनी रूप से मजबूत क्यों न हो, अगर उसे संचालित करने वाले या उसमें भाग लेने वाले लोग नैतिक रूप से भ्रष्ट हो जाएं, तो निष्पक्षता खतरे में पड़ जाती है। दुनियाभर के महान विचारकों और नेताओं ने चुनावों की पवित्रता और निष्पक्षता पर जोर दिया है।

महात्मा गांधी नैतिकता और राजनीति को अलग–थलग नहीं मानते थे। उनका मानना था कि साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। यदि चुनाव जीतने के साधन भ्रष्ट जैसे धनबल और बाहुबल का प्रयोग हैं, तो मिलने वाली जीत का कोई नैतिक मूल्य नहीं होगा। गांधीजी के अनुसार, सच्चा लोकतंत्र तभी आ सकता है जब हर नागरिक बिना किसी भय या प्रलोभन के अपने विवेक का इस्तेमाल करे। रंगभेद के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ने वाले और दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने कहा थारू ष्मतदान पत्र बंदूक की गोली से अधिक शक्तिशाली होता है।ष मंडेला का यह कथन इस बात को रेखांकित करता है कि निष्पक्ष चुनाव जनता को बिना हिंसा के समाज बदलने की सबसे बड़ी ताकत देते हैं।

ष्मतदान पत्र बंदूक की गोली से अधिक शक्तिशाली होता है।निष्पक्ष चुनाव का मुद्दा केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक लोकतंत्र की सेहत का पैमाना है।ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने लोकतंत्र के बारे में कहा थारू "लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी अन्य रूपों को छोड़कर जिन्हें समय–समय पर आजमाया गया है।" चर्चिल का यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी इसके चुनाव–आधारित स्वरूप की अनिवार्यता को बताता है। ब्रिटेन में चुनावी वित्तपोषण और निष्पक्षता को लेकर कड़े नियम हैं। वहां के राजनेता मानते हैं कि चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास ही सरकार की वैधता की एकमात्र गारंटी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने गेटीसबर्ग संबोधन में लोकतंत्र को जो परिभाषा दी, वह आज भी प्रासंगिक है। अमेरिकी राजनीति में निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार हमेशा से बहस के केंद्र में रहे हैं। अमेरिकी राजनेताओं और मानवाधिकार विदों का अक्सर यह मत रहता है कि ष्मताधिकार हर नागरिक का वह पवित्र अधिकार है जो उसकी नागरिकता को जीवंत बनाता है।ष अमेरिकी इतिहास में नागरिक अधिकार आंदोलन इसी बात की गवाही देता है कि निष्पक्ष चुनाव के लिए हर वर्ग को बिना भेदभाव के वोट डालने का अधिकार मिलना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे वैश्विक संस्थान भी यह मानते हैं कि निष्पक्ष चुनाव मानवाधिकारों का एक अनिवार्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार घोषणा–पत्र के अनुच्छेद 21 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जनता की इच्छा ही सरकार के प्राधिकार का आधार होगी, और यह इच्छा समय–समय पर होने वाले वास्तविक और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से व्यक्त की जानी चाहिए। आज के डिजिटल युग में निष्पक्ष चुनाव के सामने कई नई और जटिल चुनौतियाँ खड़ी हो गई है।चुनावों में अत्यधिक धन का खर्च होना निष्पक्षता

बॉलीवुड में लौट रहा गैंगस्टरों का खौफ?

–रोहित माहेश्वरी–

देश में संगठित अपराध और गैंगस्टरों की बढ़ती गतिविधियां कानून–व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन चुकी हैं। हाल के महीनों में साबरमती जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के सिंडिकेट और अन्य आपराधिक गिरोहों ने देश के कई राज्यों में सुरक्षा एजेंसियों की नाक में दम कर रखा है। फिल्म अभिनेताओं, राजनेताओं और व्यापारियों को निशाना बनाकर सरेआम की जा रही फायरिंग और हत्या की वारदातों ने शासन–प्रशासन के इकबाल पर बड़े सवाल खड़े किए हैं।

बीते दिनों बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के बाद सबसे पहला सवाल यही था कि क्या बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का पुराना खघैफ लौट रहा है। क्या यह हमला बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड के पुराने खघैफ की वापसी का संकेत है या इसे एक अलग घटना के तौर पर देखा जाना चाहिए?

देश में कानून–व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर–तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे–बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है।

निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का–दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खामियाजा कालांतर कानून–व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा।

दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यह उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे–बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है।

कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों और लोक व्यवस्था का हवाला देते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 303 लागू की है, जिसके तहत लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधियों को गुजरात की साबरमती जेल से बाहर ले जाने या मुंबई पुलिस की प्रत्यक्ष कस्टडी में देने पर रोक है। इस वजह से जांच एजेंसियां केवल जेल के अंदर ही पूछताछ कर पा रही हैं, जिससे बड़ी साजिशों का पूरी तरह पर्दाफाश करने में बाधा आ रही है। विपक्षी दल सरकार पर संगठित अपराध पर लगाम लगाने में विफल रहने का आरोप लगा रहे हैं। गैंगस्टरों के इस बढ़ते दुस्साहस को कुचलने के लिए कड़े कानूनी कदम भी उठाए जा रहे हैं। जिसके तहत उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में आपराधिक गिरोहों की संपत्तियों को जब्त करने, कड़े जुर्माने और 10–10 साल की कठोर कारावास की सजा जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।की सर्वोच्च अदालत भी गैंगस्टर कानूनों की संवैधानिक वैधता और संगठित अपराधों से निपटने के प्रावधानों की समीक्षा कर रही है ताकि पुलिस व प्रशासन बिना किसी कानूनी अड़चन के इन असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कस सके।

गैंगस्टरों और अपराधियों पर पुलिस प्रशासन एवं सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। बावजूद इसके गैंगस्टर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। जानकारों की माने तो, देश में गैंगस्टरों और संगठित अपराध के बढ़ने के पीछे तकनीक, आर्थिक लालच, बेरोजगारी और सोशल मीडिया का बड़ा हाथ है। आजकल गैंगस्टरों द्वारा किए गए अपराध या धमकियों को सोशल मीडिया पर खुलेआम पोस्ट किया जाता है। इससे कम उम्र के युवाओं में यह आकर्षण पैदा होता है कि वे जल्दी प्रसिद्ध या श्नायकश बन सकते हैं। कई युवा आर्थिक तंगी के चलते या पैसों के लालच में इन गैंग्स के संपर्क में आ जाते हैं। खासकर पढ़ाई या काम के नाम पर विदेश (जैसे कनाडा आदि) गए या देश के विभिन्न हिस्सों में घूम रहे बेरोजगार युवा आसानी से इनके शूटर या रिक्रूट बन जाते हैं।

वहीं आधुनिक गैंग्स पुराने तरीकों से हटकर काफी विकेंद्रीकृत और तकनीकी रूप से सक्षम हो गए हैं। जेल में बैठे गैंगस्टर भी एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स के जरिए आसानी से अपने सिंडिकेट, फिरौती और वारदातों का संचालन करते हैं। हथियारों की तस्करी, नशीले पदार्थों (ड्रग्स) का कारोबार और रियल एस्टेट या जबरन वसूली (फिरौती) से इन्हें अकूत कमाई होती है। इस अवैध नेटवर्क का दायरा स्थानीय स्तर से बढ़कर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल चुका है।

कोच्चि व मुन्नार में विद्यार्थियों ने किया वनस्पतियों का अध्ययन

संवाददाता—बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के एमएससी छात्र—छात्राओं ने केरल के कोच्चि और मुन्नार में शैक्षिक भ्रमण के दौरान विभिन्न वनस्पतियों का अध्ययन किया।

भ्रमण विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन के नेतृत्व में तथा डॉ. मोहम्मद अकमल और डॉ. वीर प्रताप सिंह की अगुवाई में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बाहुबली जलप्रपात के प्राकृतिक परिवेश में सिलेजिनेला और ग्लेचीनिया जैसी वनस्पतियों का अवलोकन किया। उन्होंने पादप नमूनों का संग्रह कर पौधों की संरचना, विविधता और प्राकृतिक आवास के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने इडुक्की स्थित चियापारा जलप्रपात और मुन्नार के निकट अनाचल के मसाला एवं हर्बल गार्डन का भी भ्रमण किया। यहां विभिन्न मसालों और औषधीय पौधों की विशेषताओं व उपयोगों की जानकारी ली। इसके अलावा कोच्चि में लुलु मॉल, विमानपत्तन और वाटर मेट्रो से मरीन ड्राइव का भ्रमण किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन, सुराजी बाजार से हुआ शुरू, कई स्वयंसेवक हुए शामिल

संवाददाता—महराजगंज। दुदही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से दुदही के सुराजी बाजार से पथ संचलन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक पूरे अनुशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते नजर आए। स्वयंसेवकों की एकरूपता, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम को देखने के लिए स्थानीय लोगों में भी उत्सुकता

दिखाई दी। बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की सहभागिता ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। सुराजी बाजार से शुरू हुए इस पथ संचलन के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सेवा भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। अनुशासित तरीके से आयोजित इस कार्यक्रम ने संगठन की एकजुटता को प्रदर्शित किया।

विधायक सुरेंद्र कुशवाहा और व्यापार मंडल अध्यक्ष रामकुमार जायसवाल की मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों का उत्साह और अनुशासन देखते ही बन रहा था। पूरे आयोजन में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

तहसील गेट पर अधिवक्ता से मारपीट, चेन छीनने का आरोप

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा तहसील मुख्यालय के मुख्य गेट के पास शुक्रवार सुबह एक महिला पर अधिवक्ता के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिवक्ता विजयेंद्र मणि त्रिपाठी ने महिला और उसके साथ मौजूद लोगों पर मारपीट, गले से सोने की चेन छीनने, गाली—गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीओ बसंत कुमार को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।अधिवक्ता के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 10.15 बजे वह बाइक से तहसील जा रहे थे। मुख्य गेट पर पहुंचते ही वहां पहले से मौजूद एक महिला ने उन्हें बाइक से खींच लिया और मारपीट करने लगी। इससे उनके शरीर पर कई जगह चोटें आईं। आरोप है कि इस दौरान महिला के साथ मौजूद अन्य लोगों ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें वहां से बचाकर कार्यालय पहुंचाया गया। अधिवक्ता का आरोप है कि कार्यालय पहुंचने के बाद भी महिला वहां आ गई और गाली—गलौज करने लगी। इस दौरान कार्यालय में रखे कुछ जरूरी दस्तावेज भी उठा ले गई। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला ने उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी भी दी। इस संबंध में एसआई रोहित यादव ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थिति में दुकान में फंदे से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता—देवरिया। जिले के लार थाना क्षेत्र के पिंडी चौराहे पर स्थित बिल्डिंग मटेरियल की दुकान के दूसरी मंजिल से एक युवक का शव फंदे से लटका शनिवार की दोपहर बरामद किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। पुलिस कॉल डिटेल भी खंगाल रही है। फोरेंसिक टीम ने नमूने एकत्रित किए। युवक की मौत से परिवार में मातम छाया है। लार थाना क्षेत्र के पिण्डी चौराहे पर दुर्गा प्रसाद जायसवाल की बिल्डिंग मटेरियल व हार्डवेयर की दुकान है। दुकान पर दुर्गा प्रसाद जायसवाल के बेटे रिपु जायसवाल उर्फ रितेश शनिवार की सुबह बैठ गए। पिता दुर्गा प्रसाद जायसवाल क्षेत्र में किसी काम से कहीं गए थे। दोपहर को कोई रिपु जायसवाल को दुकान पर ढूंढते आया। न मिलने पर अन्य लोगों को भी उसने जानकारी दी। कुछ देर बाद पता चला कि रिपु जायसवाल दुकान के ऊपरी मंजिल पर रस्सी के सहारे पंखे की कुंडी से लटक रहे हैं। सूचना मिलते ही खलबली मच गई। मौके पर पुलिस पहुंच गई और जांच की। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। रिपु जायसवाल तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे। रिपु जायसवाल की तीन बहनें सरिता, शिल्पी व सोनाली और दो भाई रीतिक व मधु उर्फ आयुष है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार ने बताया कि पिण्डी चौराहे पर एक बिल्डिंग मटेरियल व हार्डवेयर दुकानदार में युवक का फंदे से लटका शव मिला है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

1805 बूथों पर मतदाता पंजीकरण अभियान, डीएम ने तुलसीपुर के 11 बूथों का निरीक्षण किया

संवाददाता—बलरामपुर। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को बलरामपुर जिले के सभी 1805 मतदान बूथों पर विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान चलाया गया।

सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले अभियान में पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और महिलाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर विशेष जोर दिया गया। बूथों पर मौजूद बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने पात्र नागरिकों से फॉर्म—6 भरवाए और पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी।

अभियान की जमीनी हकीकत परखने के लिए डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने विधानसभा क्षेत्र 291—तुलसीपुर के विभिन्न मतदान बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से आवेदन भरवाने की प्रगति जानी और निर्देश दिया कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहने पाए।

डीएम ने सबसे पहले कम्पोजिट विद्यालय कन्या महराजगंज तराई में बूथ संख्या 268 से 273 तक कुल छह बूथों का निरीक्षण किया। इसके बाद कम्पोजिट विद्यालय कौवापुर में बूथ संख्या 276 से 280 तक पांच बूथों का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने बीएलओ से फॉर्म—6 के माध्यम से नए मतदाताओं के पंजीकरण की स्थिति की जानकारी ली और पात्र आवेदकों की पहचान कर उनके आवेदन भरवाने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि विशेष अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक समावेशी बनाना है।इसके लिए 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे युवाओं,पहली बार मतदाता बनने वाले छात्र—छात्राओं और महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर जागरूक किया जाए।बीएलओ पात्र नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया समझाएं और फॉर्म भरने में आवश्यक सहयोग दें,ताकि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

डीएम डॉ.विपिन कुमार जैन ने जिले के नागरिकों से अपील की कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है,वे अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म—6 के जरिए पंजीकरण के लिए आवेदन करें।उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज होना जरूरी है।सभी संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

अधिवक्ताओं का आंदोलन तेज: 26 अक्टूबर को डीएम कार्यालय तक निकालेंगे मौन जुलूस

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में जिला प्रशासन के रवैये और विभिन्न मुद्दों को लेकर अधिवक्ताओं का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से वार्ता के लिए समय नहीं दिए जाने से नाराज अधिवक्ता 26 अक्टूबर को तहसील परिसर से जिलाधिकारी कार्यालय तक मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन,बलरामपुर के अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह के अनुसार, इन मांगों और मुद्दों को लेकर अधिवक्ता 15 अक्टूबर 2026 से आंदोलनरत हैं। इस संबंध में डीएम से 23 अक्टूबर को पत्र भेजकर मुलाकात के लिए समय मांगा गया था, लेकिन अब तक समय नहीं मिलने से अधिवक्ताओं में नाराजगी है।

शनिवार दोपहर 2 बजे अधिवक्ताओं ने आगे की रणनीति पर बैठक बुलाई।अधिवक्ताओं की ओर से घोषित कार्यक्रम के मुताबिक,26 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सभी अधिवक्ता तहसील परिसर में एकत्रित होंगे। यहां से मौन जुलूस निकाला जाएगा, जो दीवानी परिसर से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचेगा। वहां अधिवक्ता अपनी नाराजगी और विरोध दर्ज कराएंगे।

आंदोलन के क्रम में अधिवक्ताओं ने न्यायालयों में न्यायिक कार्य से विरत रहने की भी घोषणा की है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह ने कहा कि अधिवक्ता अपने मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं और प्रशासन से वार्ता की अपेक्षा रखते हैं। मुलाकात के लिए समय नहीं मिलने के कारण अब विरोध प्रदर्शन के माध्यम से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाई जाएगी।

दिल्ली रैली के लिए कांग्रेसियों ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

संवाददाता—महराजगंज। आगामी एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस की मेगा रैली की तैयारियों को लेकर शनिवार को चौक बाजार में गोरखपुर मंडल कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश बचाओ—वोट बचाओ का नारा लगाते हुए पदयात्रा निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन का संचालन जिला उपाध्यक्ष डॉ. रामनारायण चौरसिया ने किया। मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव—उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अभिषेक दत्त ने कहा कि आगामी एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली मेगा रैली कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी रैलियों में शामिल होगी। उन्होंने कहा कि महराजगंज से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वह कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाने की अपील की। कहा कि यह रैली संविधान की मूल भावना के विपरीत काम करने वाले चुनाव आयोग और उसके कथित संरक्षणकर्ताओं के खिलाफ है। आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र को

कमजोर करने और वोटों की चोरी हो रही है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पिछले दिनों लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस कर पीलीभीत जिले की एक विधानसभा में 13 हजार से अधिक वोटों में कथित गड़बड़ी का मामला उठाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मतदाताओं के एपिक नंबर सही रहने के बावजूद नामों में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा कि संबंधित विधानसभा में भाजपा करीब सात हजार वोटों से जीती थी। ऐसे में कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव कर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचने की अपील की। विशिष्ट अतिथि कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता विधायक वीरेंद्र चौधरी ने दिल्ली जाने वाले कार्यकर्ताओं को यात्रा के दौरान उपलब्ध होने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्यकर्ताओं की सूची मांगी जाएगी और रेलवे से उनके आरक्षण की व्यवस्था कराने का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान खतरे में है। दलितों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर मेगा रैली को सफल बनाएं। चौक बाजार के गंभीरनाथ चौराहे से निकाली गई पदयात्रा मुख्य बाजार से होते हुए नहर पर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गाड़ी छोड़, वोट करो, ज्ञानेश कुमार को जाना होगा समेत कई नारे लगाए। इस दौरान गोरखपुर जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी, देवरिया जिलाध्यक्ष रोशन मल, कुशीनगर जिलाध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिभुवन नारायण मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला हैंडबॉल टीम ने जीता गोल्ड—मेडल

संवाददाता—बलरामपुर। एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज की महिला हैंडबॉल टीम ने मां पाटेश्वरी यूनिवर्सिटी, बलरामपुर की अंतर महाविद्यालयीन खेल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। यह प्रतियोगिता गोंडा के शशि भूषण शरण सिंह कॉलेज में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में राजा देवी बख्श, डोमराडीह, गोंडा की टीम उपविजेता रही। एम.एल.के. कॉलेज की टीम ने अपनी खेल प्रतिभा, उत्कृष्ट तालमेल और अनुशासन से यह जीत हासिल की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जे. पी. पांडेय, मुख्य नियंता प्रो. वीणा सिंह और क्रीड़ा अध्यक्ष डॉ. बी. एल. गुप्ता ने टीम को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने इसे खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और टीम भावना का परिणाम बताया। महिला हैंडबॉल टीम ने डॉ. श्री नारायण सिंह के नेतृत्व में हिस्सा लिया था। उनकी अगुवाई और क्रीड़ा परिषद के सदस्यों के मार्गदर्शन व सहयोग से टीम ने यह उपलब्धि हासिल की।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को खंभे से बांधकर पीटा, कुशीनगर में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छुड़ाया

संवाददाता—कुशीनगर। बाबूराम बेलवा सेमरा गांव में गुरुवार देर रात प्रेमिका से मिलने पहुंचे 18 वर्षीय युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। आरोप है कि युवक को रस्सी से बिजली के खंभे में बांधकर उसकी पिटाई की गई। वारदात के दो वीडियो भी सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, पडोसी गांव बरवा पूर्दिल निवासी 18 वर्षीय युवक गुरुवार रात करीब 2 बजे एक महिला से मिलने गन्ने के खेत में पहुंचा था। महिला तीन बच्चों की मां बताई जा रही है। इसी दौरान महिला के परिजनों और गांव के कुछ युवकों ने युवक को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान महिला मौके से निकल गई, जबकि युवक को लोगों ने रस्सी से बिजली के खंभे में बांध दिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी।

युवक की पिटाई होते देख महिला ने डायल—112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ युवक को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। इसकी जानकारी मिलने पर प्रभारी निरीक्षक संजय दूबे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवक को भीड़ से मुक्त कराया और उपचार के लिए कोटवा स्थित सरकारी अस्पताल भेजा। पुलिस ने महिला के परिवार के एक व्यक्ति को थाने लाकर पूछताछ की। उपचार के बाद युवक को भी थाने लाया गया। घटना के बाद गांव में दो समुदायों से जुड़ा मामला होने के कारण गहमागहमी की स्थिति बनी रही। पुलिस गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी कर रही है।

प्रभारी निरीक्षक संजय दूबे ने बताया कि मामले में अभी किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध शांति भंग की कार्रवाई की है। उनका कहना है कि गांव में स्थिति सामान्य है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस नजर रख रही है।

पेड़ की डाल काटते समय मजदूर की गिरकर मौत

संवाददाता—देवरिया। शनिवार दोपहर करीब दो बजे पेड़ की डाल काटते समय नीचे गिरने से 40 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मजदूर को ग्रामीण महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मिश्रौलिया गांव निवासी राजकुमार चौहान पुत्र सिरपत चौहान के रूप में हुई है। वह दैनिक मजदूरी कर परिवार का भरण—पोषण करता था। शनिवार सुबह वह गांव के संजय सिंह के पेड़ पर चढ़कर उसकी डाल काट रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। ग्रामीण उसे तत्काल अस्पताल लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। राजकुमार की मौत से पत्नी बुद्धि देवी और दो बेटों विपिन व राहुल के सिर से पिता का साया उठ गया। परिवार की आजीविका चलाने वाले राजकुमार की अचानक मौत से परिजनों के सामने आर्थिक संकट की चिंता भी खड़ी हो गई है। पति की मौत की खबर सुनते ही बुद्धि देवी और दोनों बेटों का रो—रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार की चीख—पुकार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलने पर रुद्रपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद गांव के लोग शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचते रहे। एक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं और रोजाना मजदूरी से घर चलाने वाले परिवार के सामने भविष्य की चिंता खड़ी कर दी।

श्री जय राम गोविंद आश्रम के महंत बने रघुनंदन दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। धर्मपथ स्थित श्री जय राम गोविंद आश्रम में सनातन वैष्णव परंपरा के अनुसार रघुनंदन दास को आश्रम का महंत बनाया गया। उनके गुरु के साकेतवास के बाद तेरहवीं पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अयोध्या के संत—महंतों ने उन्हें आश्रम की जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान संतों ने आशा जताई कि आश्रम की धार्मिक और सेवा संबंधी परंपराएं निरंतर आगे बढ़ती रहेंगी।कार्यक्रम में संत—महंतों ने रघुनंदन दास महाराज को कंठी, चादर और तिलक प्रदान कर महंत के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आश्रम की व्यवस्था सनातन वैष्णव परंपरा और पूर्व से चली आ रही मर्यादाओं के अनुरूप संचालित की जाएगी। आश्रम में संत सेवा, गोसेवा, विद्यार्थी सेवा, धार्मिक उत्सवों और ठाकुरजी की सेवा जैसे कार्य पूर्ववत जारी रहेंगे।

इस अवसर पर रघुनंदन दास महाराज ने कहा कि गुरुदेव भगवान की कृपा सदैव उनके ऊपर बनी हुई है। उनके साकेतवास के बाद आश्रम की व्यवस्था गुरुदेव द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही संचालित होती रहेगी। उन्होंने आश्रम की परंपराओं को बनाए रखने और सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

श्रद्धांजलि सभा में बिंदुगद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, श्री रामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, महामंडलेश्वर महंत गिरीशदास, महंत सुकदेव दास, महंत मनीषदास, महंत शशिकांत दास, महंत कमलाकांत रामायणी, महंत बृजमोहन दास, महंत रामकुमार दास और बालयोगी महंत रामदास सहित बड़ी संख्या में संत—महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

3 महीने से भारत में छिपे 3 श्रीलंकाई बहराइच बॉर्डर पर गिरफ्तार, नेपाल भागने की थी तैयारी

संवाददाता—बहराइच। भारत—नेपाल सीमा से सटे एसएसबी के रज्जनवा चेकपोस्ट पर पकड़े गए श्रीलंकाई नागरिक समेत चार लोगों के वीजा खत्म होने के बाद भी तीन माह से भारत में रहने का मकसद अभी तक उजागर नहीं हो पाया है। श्रीलंकाई नागरिक जाफना के रहने वाले हैं, जो लिट्टे उग्रवादियों का कभी गढ़ माना जाता था और देश के प्रधानमंत्री रहे राजीव गांधी की हत्या में इस गुट का मुख्य रोल था। फिलहाल वीजा खत्म होने के बाद भी इतना महीनों तक वे किसके संरक्षण में रह रहे थे और कैसे उन पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर तक नहीं पड़ी, यह बड़ा सवाल है। पांच दिन पहले बहराइच पहुंचे श्रीलंका के जाफना निवासी अजीत कुमार, कौशल्या और प्रभाष के अलावा तमिलनाडु निवासी धर्म सुधाकर चोरी—छिपे नेपाल में दाखिल होना चाहते थे। चारों लोग बेखौफ होकर मिहींपुरवा तहसील इलाके में घूमते रहे। तीन माह पूर्व वीजा समाप्त होने के बाद भी वे सीमा पार करने की फिराक में अपना स्थान बदलकर रहते रहे। इस बात की भनक सुरक्षा एजेंसियों को क्यों नहीं लग पाई? यह बड़ा सवाल है। चारों ने कतर्नियां जंगल के रास्ते नेपाल जाने की तैयारी की, लेकिन एसएसबी की रज्जनवा चेकपोस्ट के पास जवानों ने रोक कर पूछताछ की तो इस बात का खुलासा हुआ कि सभी वीजा समाप्त होने के बाद भी भारत में छिपे हुए थे। श्रीलंका के जाफना में इनका निवास स्थान पता चलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हुईं। कारण कुछ और नहीं, 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में शामिल लिब्रेशन टाइगर्स आफ तमिल ईलम का गढ़ भी जाफना ही रहा है। फिलहाल तीनों श्रीलंकाई नागरिक व चौथे तमिलनाडु निवासी व्यक्ति से पूछताछ कर अभी तक पुलिस किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंची है, क्योंकि उनकी भाषा समझने में आज की हाईटेक पुलिस भी फेल है।

अधिकारियों की मानें तो द्विभाषीय को बुलाया गया है, जो उनसे बातचीत कर उनके भारत में छिपे रहने और नेपाल भागने की सच्चाई को उजागर कर सके। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि जल्द ही इस बात का खुलासा होगा कि चारों किस मकसद से भारत आए थे।

भारतीय सीमा पर नेपाली गाड़ियों की पार्किंग शक के घेरे में

संवाददाता—महराजगंज। भारत—नेपाल की खुली सीमा पर नेपाली नंबर प्लेट वाली पुरानी और महंगी गाड़ियों की आवाजाही को लेकर निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि लैंड क्रूजर, टाटा सफारी और टोयोटा समेत कई कंपनियों की गाड़ियां मरम्मत के नाम पर भारतीय सीमा से सटे इलाकों के गैराजों में कई—कई महीनों तक खड़ी रहती हैं। ऐसे में इन वाहनों के सीमा पार प्रवेश, भारतीय क्षेत्र में ठहरने की अवधि और नेपाल वापसी का रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू करने की बात कही है। स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों के मुताबिक, नेपाली नंबर प्लेट वाली कुछ पुरानी गाड़ियां डेंटिंग—पेंटिंग और अन्य मरम्मत कार्यों के लिए भारतीय क्षेत्र के गैराजों में लाई जाती हैं। सवाल यह है कि इन वाहनों के प्रवेश की तारीख, भारत में ठहरने की अवधि और नेपाल वापसी का रिकॉर्ड किस तरह रखा जाता है। क्या लंबे समय से गैराजों में खड़ी गाड़ियों के दस्तावेजों और मरम्मत संबंधी विवरण का सत्यापन किया जाता है? साथ ही, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित वाहनों की सीमा पार आवाजाही का रिकार्ड नियमानुसार दर्ज है या नहीं।

भारत—नेपाल की खुली सीमा पर लोगों और वाहनों की आवाजाही सामान्य है, लेकिन इससे लागू नियमों और प्रक्रियाओं से छूट नहीं मिलती। अभी तक इन वाहनों के किसी नियम के उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि गाड़ियां किन परिस्थितियों में भारतीय क्षेत्र में लाई गईं, कितने समय से गैराजों में खड़ी हैं और उनके प्रवेश व वापसी से जुड़े अभिलेख नियमानुसार उपलब्ध हैं या नहीं। नौतनवा के क्षेत्राधिकारी बसंत सिंह ने बताया कि जानकारी मिली थी कि करीब एक महीने से नेपाली नंबर प्लेट वाली गाड़ियां यहां खड़ी हो रही हैं। इस संबंध में जांच की जा रही है। आरोप सही पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

चंपत राय की गिरफ्तारी क्यों नहीं? संजय सिंह का भाजपा पर वार, बोले– राम मंदिर के नाम पर हुआ बड़ा खेल

संवाददाता–अयोध्या। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण और भगवान श्रीराम के नाम पर चढ़ावे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा जैसे कथित आरोपियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। मामले में कार्रवाई के बजाय लीपापोती की जा रही है। शनिवार को अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे संजय सिंह का प्रदेश अध्यक्ष रहे समाजीत सिंह और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यहां उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जमीन और आभूषणों से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना जानकारी के 13 लाख नाम जोड़ दिए गए। साथ ही ऑटो–जेनरेटेड फॉर्म–7 के जरिये 85,854 मतदाताओं के नाम काटे जाने का आरोप लगाया। इनमें 90 प्रतिशत नाम अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के थे। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय सिंह ने कहा कि भाटी अपना स्पष्टीकरण दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि भाटी ने कहा है कि उनका जन्म हिंदू धर्म में हुआ है और वह इसी धर्म में अपना जीवन बिताएंगे। अयोध्या एयरपोर्ट से संजय सिंह सिद्धार्थनगर के लिए रवाना हो गए। वहां उन्हें एक कार्यक्रम में शामिल होना है।

संपत्ति विवाद के बीच बुजुर्ग की संदिग्ध हालात में मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के भगौतीपुर गांव में शनिवार देर रात बुजुर्ग अली हुसैन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनकी मौत को लेकर परिवार के सदस्यों के अलग–अलग बयान सामने आने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अली हुसैन की संपत्ति और बैंक में जमा रकम को लेकर उनकी दूसरी पत्नी और पहली पत्नी के बेटे के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। चार दिन पहले भी मामला थाने पहुंचा था, जहां दोनों पक्षों के बीच सुलह कराई गई थी। अली हुसैन की दो शादियां हुई थीं। उनसे पांच बेटे और तीन बेटियां हैं। पहली पत्नी के बेटे नौशाद के मुताबिक, 22 अक्टूबर को संपत्ति को लेकर उसके पिता और सौतेली मां के बीच कहासुनी हुई थी। नौशाद ने बताया कि शुक्रवार देर शाम उसके पिता की तबीयत बिगड़ गई। वह उन्हें पहले सीएचसी नाथनगर और फिर जिला अस्पताल ले गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद वह शव लेकर घर लौट आया। इसी बीच अली हुसैन की दूसरी पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संपत्ति विवाद की पुरानी पृष्ठभूमि और मौत की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है।

महुली थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पांडेय ने बताया कि सूचना मिलने पर बुजुर्ग का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

'मेरा संसार उजड़ा, पति के अंतिम दर्शन करा दीजिए', दम्माम में जान गंवाने वाले कमलेश के परिवार की गुहार

संवाददाता–गोरखपुर। दुख की इस घड़ी में हर आंख नम है। जिस घर में कभी हंसी–खुशी की आवाजें गूंजती थीं, वहां आज अपने को खोने का मातम पसरा है। दम्माम एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में जान गंवाने वाले कमलेश पांडेय के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पति की मौत की खबर ने पत्नी सुनीता देवी को भीतर तक तोड़ दिया है। रोते–बिलखते हुए वह कहती हैं कि मेरा संसार उजड़ गया। मेरे पति का अंतिम दर्शन करा दीजिए। मेरी बेटी के डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह गया। सुनीता देवी की आंखों में पति को आखिरी बार देखने की आस है, लेकिन शव भारत कब पहुंचेगा, इसकी जानकारी अब तक परिवार को नहीं मिल सकी है। पति के बिछड़ने का गम और उनके अंतिम दर्शन नहीं कर पाने की पीड़ा परिवार को पल–पल तोड़ रही है।

जिस उम्र में पिता का हाथ थामकर सपने देखना था, उसी उम्र में मासूम बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। 14 साल की तनवी और 10 साल की तान्या के लिए पिता का बिछड़ना ऐसा दर्द है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। जिस पिता की उंगली थामकर दोनों बहनें जिंदगी की राह पर आगे बढ़ना चाहती थीं, अब उसी पिता के लौटने का इंतजार हमेशा के लिए अधूरा रह गया। मां भी सुनीता देवी के आंसू और परिवार में पसरा मातम

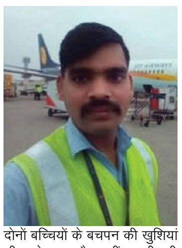

दोनों बच्चियों के बचपन की खुशियां छीन ले गया है। वहीं, पत्नी की आंखों में पति के अंतिम दर्शन की आस है, तो बेटियों के जीवन में पिता की कमी कभी पूरी न हो पाने वाला खालीपन बन गई है। परिवार के सपनों को पूरा करने के लिए घर से दूर गए कमलेश पांडेय अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। पीछे छूट गई हैं उनकी यादें, अधूरे सपने और अपनों की सिसकियां। जिस पिता के कंधों पर बैठकर उन्होंने दुनिया देखी होगी, उसी पिता को आखिरी बार देखने के लिए परिवार को उनके पार्थिव शरीर के भारत आने का इंतजार है। बेटे की मौत की खबर ने पिता हरिचंद्र पांडेय को भीतर तक तोड़ दिया है। जिस बेटे को अपने कंधों पर बैठाकर बड़ा किया, आज उसी के अंतिम दर्शन के लिए उनकी आंखें तरस रही हैं। नम आंखों से हरिचंद्र बताते हैं कि 22 अक्तूबर की शाम मोबाइल पर बेटे की मौत की सूचना मिली। यह खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अब बस एक ही इच्छा है कि बेटे का पार्थिव शरीर घर आ जाए, ताकि उसे आखिरी बार देख सकें और अंतिम विदाई दे सकें। हरिचंद्र पांडेय के मुताबिक, बेटे का शव भारत लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले दो दिन में भारतीय दूतावास से चार बार बात हो चुकी है। दूतावास की ओर से जो भी दस्तावेज मांगे गए, उन्हें व्हाट्सऐप और ई–मेल के माध्यम से भेज दिया गया है। इसके बावजूद अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बेटे का शव कब तक भारत पहुंचेगा।

कमलेश पांडेय के भाई मुकेश पांडेय ने बताया कि भाई का शव भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम बांसगांव के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान से मुलाकात कर शव भारत लाने में मदद मांगी गई। परिवार की आर्थिक सहायता का मुद्दा भी उठाया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। एक तरफ पिता बेटे के अंतिम दर्शन के लिए व्याकुल हैं, तो दूसरी तरफ भाई परिवार को इस मुश्किल घड़ी से उबारने की कोशिश में जुटा है। पूरे परिवार की निगाहें अब सरकार और प्रशासन पर टिकी हैं। परिजन का कहना है कि उनकी बस इतनी सी आस है कि कमलेश का पार्थिव शरीर जल्द घर पहुंचे और परिवार उसे नम आंखों से अंतिम विदाई दे सके।

पीएम आवास योजना की जांच में लापरवाही पर डूडा सख्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के तहत प्राप्त आवेदनों की पात्रता जांच में लापरवाही पर जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने सख्त रुख अपनाया है। जिले में 24 हजार से अधिक आवेदन लंबित होने पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) और परियोजना निदेशक डूडा ने सभी उपजिलाधिकारियों और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को वेतन आहरण पर रोक लगाने की चेतावनी दी है। इस संबंध में 17 अक्टूबर को तीसरा अनुस्मारक पत्र जारी किया गया है। संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर पात्रता जांच पूरी कर प्रमाणपत्र डूडा कार्यालय में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। जारी पत्र के अनुसार, योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन के लिए 13 फरवरी, 2025 को कमेटी गठित की गई थी। इसके बाद 15 फरवरी से आठ जुलाई, 2026 तक पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की पात्रता जांच कर रिपोर्ट मांगी गई थी। पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। इस पर तत्कालीन अपर जिलाधिकारी की ओर से 20 अप्रैल को पहला अनुस्मारक भेजा गया। इसके बाद 20 जुलाई को दोबारा पत्र जारी किया गया, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अब तीसरा अनुस्मारक जारी करना पड़ा है। खलीलाबाद तहसील क्षेत्र में खलीलाबाद नगर पालिका के 5,885, मगहर नगर पंचायत के 1,110 और बखिरा के 3,662 आवेदन लंबित हैं। वहीं, मेंहदावल तहसील क्षेत्र में मेंहदावल नगर पंचायत के 4,828, बेलहरकला के 2,192 और धर्मसिंहवा के 2,433 आवेदनों का सत्यापन बाकी है। इसी प्रकार धनघटा तहसील क्षेत्र में हरिहरपुर नगर पंचायत के 368 और हैंसर बाजार के 3,917 आवेदन लंबित हैं। जारी पत्र में पात्रता जांच में लापरवाही को कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के विरुद्ध बताया गया है। संबंधित उपजिलाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर प्रमाणपत्र डूडा कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अयोध्या दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी में सजेगी भव्य विजिटर गैलरी, 2367.60 लाख रुपये से हो रहा सौंदर्यीकरण

संवाददाता–अयोध्या। दीपोत्सव में राम की पैड़ी पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नया आकर्षण देखने को मिलेगा। यहां विकसित हो रही भव्य विजिटर गैलरी और सेल्फी प्वाइंट परिसर की सुंदरता बढ़ाने के साथ पर्यटकों को यादगार पल संजोने का अवसर देंगे। परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है और 30 अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटन विभाग की महत्वाकांक्षी परियोजना को उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लिमिटेड क्रियान्वित कर रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। रामलला के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के बाद पर्यटकों की संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए धार्मिक स्थलों पर आधुनिक सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता मिली है। 2,367.60 लाख रुपये की इस परियोजना के तहत दीपोत्सव स्थल पर सीढ़ियों का निर्माण कराया जा रहा है। परिसर में रेड सैंड स्टोन की डिजाइनर फ्लोरिंग के साथ बड़े आकार के आकर्षक डिजाइनर कांच के दीये, सूर्य स्तंभ, डिजाइनर छतरियां, प्लेटिनम स्थल और बोलार्ड लाइट्स विकसित की जा रही हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि परियोजना का काम पूरा होने के साथ दीपोत्सव की तैयारियां भी अंतिम चरण में पहुंच रही हैं। राम की पैड़ी में बनाई जा रही डिजाइनर म्यूरल वाल भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। इस पर धार्मिक स्थलों, त्रेतायुगीन मंदिरों और दीपों के आकर्षक चित्र उकेरे गए हैं। दीपोत्सव में रोशनी से सजे परिसर में यह म्यूरल वाल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करेगी। पारंपरिक धार्मिक विरासत और आधुनिक सुविधाओं का यह संगम राम की पैड़ी की सुंदरता को नया आयाम देने के साथ रामनगरी के पर्यटन अनुभव को यादगार बनाने में सहायक होगा।

जनगणना 2027 के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता–अयोध्या। बीकापुर में जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत आदर्श देश दीपक इंटर कॉलेज, तेंदुआ माफी में प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण चल रहा है। 22 अक्तूबर से शुरू हुआ प्रशिक्षण 13 नवंबर तक चलेगा। शनिवार को भी शिक्षकों को जनगणना कार्य की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद प्रगणक घर–घर जाकर 40 बिंदुओं पर जानकारी जुटाएंगे। इसके लिए चार बैच बनाए गए हैं। प्रत्येक बैच का प्रशिक्षण तीन दिवसीय होगा। एक सुपरवाइजर के अधीन छह प्रगणक कार्य करेंगे। पहले बैच में सात कमरों में 350 प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें बीकापुर, तारुन और आंशिक रूप से हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के शिक्षक शामिल हैं। मास्टर ट्रेनर आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे रहे हैं। प्रशिक्षण में डिजिटल तकनीक के उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे पहले अप्रैल में प्रथम चरण के तहत मकानों की स्थिति और उपयोग संबंधी विवरण जुटाए गए थे। उप जिलाधिकारी संतोष कुमार और तहसीलदार विजय कुमार शुक्ला ने प्रशिक्षण का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि चार बैच में प्रशिक्षण कराया जा रहा है। अवकाश होने पर अगले दिन प्रशिक्षण होगा। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अनिल सिंह, आदर्श तिवारी और द्वारिकाधीश उपाध्याय सहित शिक्षक मौजूद रहे।

यश भारती से सम्मानित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. राम रतन बनर्जी का निधन

संवाददाता–गोरखपुर। वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक और समाजसेवी डॉ. राम रतन बनर्जी का शनिवार को सुबह 11 बजे निधन हो गया। उनके पुत्र डॉ. रूप कुमार बनर्जी ने इसकी जानकारी दी। उनके निधन से चिकित्सा जगत और बंगाली समाज में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार गोरखपुर में ही किया जाएगा। डॉ. राम रतन बनर्जी

चिकित्सा को केवल पेशा नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा का माध्यम मानते थे। उन्होंने छह दशक से अधिक समय तक मरीजों का उपचार कर समाज में सेवा और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की। उन्हें उनके योगदान के लिए यश भारती पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कोलकाता से होम्योपैथी की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद डॉ. बनर्जी ने वर्ष 1959 में चिकित्सा सेवा शुरू की। बेनीगंज–दुर्गाबाड़ी क्षेत्र स्थित संतोष होमियो सेवाश्रम उनकी सेवा का प्रमुख केंद्र रहा। यहां आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय और वंचित परिवारों के मरीजों का नाममात्र शुल्क पर या निशुल्क उपचार किया जाता था। उनका प्रयास रहता था कि आर्थिक तंगी के कारण किसी जरूरतमंद को इलाज से वंचित न रहना पड़े। इसी सोच के साथ उन्होंने लंबे समय तक मरीजों की सेवा की और समाज में अपनी अलग पहचान बनाई।

डॉ. राम रतन बनर्जी के निधन से गोरखपुर के चिकित्सा जगत और बंगाली समाज में शोक है। उनके लंबे चिकित्सकीय जीवन और जरूरतमंदों के प्रति सेवा भाव को याद किया जा रहा है। उनका जीवन चिकित्सा के माध्यम से समाज सेवा करने की प्रेरणा देता रहेगा।

गोमतीनगर इंटरसिटी का पहिया लॉक, घंटों तक फंसी रही ट्रेन, बीच रास्ते उतरे यात्री

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर से गोमतीनगर तक जाने वाली इंटरसिटी (15081) के इंजन का एक्सेल (पहिया) मानीराम स्टेशन पर लॉक हो गया। इससे करीब ट्रेन चार घंटे तक खड़ी रही। गोरखपुर से दूसरा इंजन भेजे जाने के बाद ट्रेन गोमतीनगर के लिए रवाना हुई। स्टेशन के कर्मचारियों द्वारा स्पष्ट जवाब न मिलने पर यात्रियों ने जमकर नाराजगी भी जताई।

गोरखपुर जंक्शन से निर्धारित समय दोपहर 12.40 बजे इंटरसिटी रवाना हुई। ट्रेन जैसे ही मानीराम स्टेशन पहुंची, अचानक रुक गई। चालकों के काफी प्रयास के बाद भी ट्रेन आगे नहीं बढ़ी तो उन्होंने नीचे उतरकर बारीकी से इंजन की जांच की। पता चला कि इंजन का एक्सेल ही लॉक हो गया है। इससे ट्रेन आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इसकी सूचना चालकों ने कंट्रोल को दी।

करीब साढ़े तीन घंटे बाद दूसरा इंजन गोरखपुर से मानीराम भेजा गया। यहां प्लेटफार्म नंबर एक पर काम के चलते सिर्फ दो ही लाइन चल रही हैं, जिसकी वजह से इंजन भेजने में भी काफी असुविधा हुई। इंजन पहुंचने के बाद काफी मशक्कत के बाद पुराना इंजन अलग किया गया। फिर नया इंजन जोड़ा गया और मानक पर खरा उतरने के बाद ट्रेन पांच बजे गोमतीनगर की तरफ रवाना की गई। काफी देर तक ट्रेन के मानीराम में ही खड़े रहने से यात्रियों को काफी असुविधा हुई। कुछ यात्री ट्रेन से उतर गए और दूसरे साधनों से लखनऊ रवाना हुए। वहीं कई यात्रियों ने यह कहकर नाराजगी जताई कि गोरखपुर पास में होने के बाद भी इंजन भेजने में तीन घंटे से अधिक का समय लग गया। स्टेशन पर कर्मचारियों द्वारा स्पष्ट जानकारी न दिए जाने से भी लोग नाराज दिखे। उधर, पीईडी के मद्देनजर रेल प्रशासन ने कानपुर सेंट्रल से मथुरा, बलिया को स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसके अलावा झांसी, खजुराहो, प्रयागराज, लखनऊ सहित स्थानों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने को 10 रैक रिजर्व में खड़े करा दिए हैं। जीआरपी प्रभारी ओएन सिंह और आरपीएफ प्रभारी एसएन पाटीदार ने तीन रस्सा टीमों के अलावा 12–12 सदस्यीय क्यूआरटी गठित की है। प्रयागराज के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि कानपुर सेंट्रल से मथुरा जंक्शन स्पेशल ट्रेन 24,29 और 31 अक्टूबर को चलेगी। वहीं कानपुर सेंट्रल से रात 8 बजे चलकर मथुरा दूसरे दिन 3रू10 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, मथुरा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और अन्य संबंधित गंतव्यों के लिए जरूरत के अनुसार एक्स्ट्रा स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की गई है।

शरद पूर्णिमा से रामलला के दर्शन का समय बदलेगा

संवाददाता–अयोध्या। शरद पूर्णिमा यानि 25 अक्टूबर से राम मंदिर में रामलला के दर्शन और आरती की अवधि में बदलाव की तैयारी है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत भोर में होने वाली मंगला आरती सुबह चार बजे के बजाय साढ़े चार बजे और श्रृंगार आरती सुबह छह बजे के स्थान पर साढ़े छह बजे होगी। वहीं, रात में होने वाली शयन आरती का समय दस बजे से घटाकर साढ़े नौ बजे करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मध्याह्न में रामलला को भोग लगाने और विश्राम देने के लिए मंदिर के पट एक घंटे बंद रखने की तैयारी है। हालांकि, नई व्यवस्था पर धार्मिक न्यास समिति के सभी सदस्यों की सहमति का इंतजार है। ग्रीष्मकाल और शरद ऋतु में मौसम के अनुसार मंदिरों में दर्शन और आरती का समय बदलना सामान्य परंपरा है। राम मंदिर की व्यवस्था कुछ अलग है। यहां भोर में मंगला आरती से लेकर रात में शयन आरती तक अलग–अलग आरतियों के लिए श्रद्धालुओं को पास जारी किए जाते हैं। दूसरी ओर, अधिकांश मंदिरों में मध्याह्न के समय पट बंद रखे जाते हैं, लेकिन राम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण रामलला को भोग और विश्राम के लिए अपेक्षाकृत कम समय मिल पाता है। धार्मिक न्यास समिति ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद मध्याह्न में भोग और विश्राम का समय बढ़ाने पर मंथन शुरू हुआ। राम मंदिर में शुरुआत से ही पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे तक का समय रामलला के लिए आरक्षित रखा गया था। हालांकि, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पूर्वाह्न 11 से 12 बजे के बीच अतिरिक्त दर्शन पास जारी किए जाने लगे। मौजूदा व्यवस्था में पूर्वाह्न 11:50 बजे पर्दा लगाकर भगवान को भोग प्रसाद अर्पित किया जाता है। इसके बाद दोपहर 12 बजे से 12:20 बजे तक राजभोग आरती होती है। इस दौरान भी दर्शन जारी रहते हैं। दूरदर्शन पर श्रृंगार आरती का लाइव प्रसारण सुबह छह बजे से 6ः20 बजे तक होता है। शरद ऋतु में दर्शन अवधि बदलने से श्रृंगार आरती सुबह साढ़े छह बजे प्रस्तावित है। प्रसारण सुबह साढ़े छह बजे से करने की तैयारी है। नई व्यवस्था में पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे रामलला को भोग लगाया जाएगा। दोपहर 12 बजे राजभोग आरती के बाद मंदिर के पट अपराह्न एक बजे तक बंद रहेंगे।

हनुमानगढ़ी से शुरू हुआ दीपोत्सव पूर्व स्वच्छता अभियान

संवाददाता–अयोध्या। महापौर ने भी लगाई झाड़ू, सड़कों पर सफाई के लिए निकला हुजूम अयोध्या, संवाददाता। शनिवार की सुबह के लगभग 7ः30 बजे थे। हनुमानगढ़ी के निकास द्वार पर नगर निगम की टीम सफाई के आवश्यक उपकरणों के साथ मौजूद थी। हनुमानगढ़ी के कुछ संत और स्थानीय संभ्रांतजन भी बड़ी तादाद में पहुंच चुके थे। इसी बीच महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी भी पहुंचे। हनुमानजी का दर्शन करने के बाद महापौर ने सफाई की मुहिम शुरू की। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू उठाई तो सफाई कर्मियों के अलावा अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, समाजसेवी एवं चिंतन संस्था के आलोक सिंह समेत कई लोगों ने भी झाड़ू उठा ली। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों की सफाई करते हुए लोग नीचे की तरफ आए और फिर हनुमानगढ़ी के चारों ओर सफाई की गई। राममंदिर जाने वाले मार्ग पर सफाई के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। खासतौर से पॉलिथीन और कपड़ों के टुकड़े हटाए गए। सफाई दल के पीछे फॉगिंग मशीन लेकर कर्मचारी मुस्तैदी से अपने काम को अंजाम दे रहे थे। मुख्य मार्ग के अलावा फुटपाथ के किनारे जमा कूड़ा भी हटाया गया। महापौर ने हनुमानगढ़ी परिसर स्थित शौचालय की सफाई का जायजा लिया। इसके बाद पंजाबी बाबा की गली से होते हुए महंत ज्ञानदास जी के आवासीय परिसर के सामने पहुंचे। वहां जल प्याऊ के नीचे गंदा पानी भरा देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल जल निगम के अधिकारियों को तलब कर पानी हटाने तथा लगातार सफाई बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्य द्वार के पास बने जल प्याऊ का जायजा लिया। मंदिर के आसपास जहां–जहां कीचड़ दिखाई दिया, वहां सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। उन्होंने अशर्फी भवन की ओर जाने वाले मार्ग पर भी सफाई कराई और वापस लौटते हुए हनुमानगढ़ी के रास्ते मुख्य मार्ग तक पहुंचे। यहां पानी की पुरानी टंकी पर जमा गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और मुख्य सफाई निरीक्षक राजेश झा को तत्काल इसकी सफाई कराने का निर्देश दिया। इस दौरान कुछ अन्य जगहों पर भी गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि इस दौरान 31 अक्टूबर को होने वाले अभियान के प्रचार के लिए वाहन भी चल रहा था। अभियान में हनुमानगढ़ी के संतों के अलावा अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, जोनल अधिकारी ज्वाला प्रसाद आदि शामिल रहे।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कप्तानगंज थाने के प्रशासनिक भवन के सामने स्थित आम के दो सूखे पेड़ की नीलामी जिलाधिकारी एवं प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग की संस्तुति के बाद 26 अक्टूबर 2026 को दिन में 11 बजे किया जाना है। इच्छुक व्यक्ति, फर्म बोली में भाग ले सकते हैं। उच्च बोली दाता के पक्ष में नियमानुसार नीलामी कर दिया जायेगा।

थानाध्यक्ष कप्तानगंज
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 नं0 9454403114

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपाण्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अपील सं– /2026

वाद सं0–C202617000000252

श्रीमती स्वर्णलता सिंह आदि

बनाम

शाह आलम आदि

1. शाह आलम 2. मसरूर आलम 3. नूर आलम 4. मसूद आलम 5. महफूज आलम पुत्रगण स्व0 मुजीबुल्लाह अंसारी 6. अजीजुल्लाह 7. समीउल्लाह 8. रफीउल्लाह 9. मोहम्मद फैसल पुत्रगण स्व0 रहमतुल्लाह अंसारी 10. श्रीमती जुबैदा खातून पत्नी स्व0 रहमतुल्लाह 11. हाजरा खातून पुत्री स्व0 रहमतुल्लाह साकिनान मौजा, मुहल्ला दक्षिण दरवाजा, पो0 पुरानी बस्ती, ग्राम बस्ती खास, तप्पा हवेली, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

12– श्रीमती इन्द्रावती पत्नी मनोज कुमार निवासी मोहल्ला पठान टोला पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 13– जाहिद अली पुत्र मदहू बक्श 14– मुबारक अली पुत्र आसिफ अली 15– मुहम्मद असलम पुत्र असगर अली साकिनान मोहल्ला दक्षिण दरवाजा बस्ती खास पो0 पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 16– श्रीमती आमिना खातून पत्नी मोहम्मद याकूब मोहल्ला मंगल बाजार 17– श्रीमती शाह बानों पत्नी श्री अनवर अली मोहल्ला नई बाजार सुर्तीहट्टा 18– श्रीमती नाजमा खातून पत्नी श्री जमील मोहल्ला रानी पोखरा बस्ती खास 19– श्रीमती पूनम देवी पत्नी शम्भूनाथ निवासी मो0 चिकवा टोला बस्ती खास तप्पाजात हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

– विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

20– उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती

– विपक्षी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 29–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाव सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बराय इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

अपील सं0–T202617140313130

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान प्रथम अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

लालचन्द

बनाम

राजबहादुर आदि

1. राजबहादुर 2. वंशबहादुर 3. राम प्रकाश पुत्रगण राम प्रसाद 4. राजदेव 5. रामवृक्ष 6. श्यामवृक्ष पुत्रगण रामनिहोर 7. मनीष पुत्र रामबहोर 8. श्रीमती मीना पत्नी रामबहोर साकिनान ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 9. नगर पंचायत गनेशपुर द्वारा अध्यक्ष नगर पंचायत गनेशपुर जिला बस्ती 10. अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। – द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुमुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com